MASA-03

June - Examination 2026
M.A. (Previous) Examination
SANSKRIT
भारतीय दर्शन
Paper : MASA-03

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) व्यासभाष्य का संबंध किस दर्शन से है?
   (ii) सांख्यदर्शन के अनुसार महर्षि कपिल के प्रथम शिष्य का क्या नाम था?
   (iii) अयुतसिद्ध किसे कहते हैं?
   (iv) पञ्चतन्मात्राओं के नाम लिखिए।
   (v) शारीरकभाष्य के प्रणेता आचार्य कौन हैं?
   (vi) मनोमय कोश किसे कहते हैं?
   (vii) विपरीतख्याति किस दार्शनिक आचार्य से संबद्ध है?
   (viii) शून्यवाद बौद्ध दर्शन के किस सप्रदाय को कहा जाता है?

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. विवर्तवाद को स्पष्ट कीजिए।
3. पुरुषबहुत्व को संक्षेप में समझाइए।
4. सांख्यकारिका के अनुसार सूक्ष्मशरीर को स्पष्ट कीजिए।
5. वेदान्तसार के अनुसार विषय संबंध एवं प्रयोजन का संक्षेप में विवेचन कीजिए।

6. वेदान्तसार के अनुसार पंचीकरण पर प्रकाश डालिए।

7. मनन एवं निदिध्यासन के अंतर को समझाइये।

8. बौद्ध दर्शन के अनुसार दुःख निरोध मार्ग को समझाइए।

9. भाट्ट मीमांसकों के अनुसार ज्ञातता पर चर्चा कीजिए।

खण्ड–'स' **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

10. सांख्यकारिका के अनुसार प्रकृति की अनुमानपूर्वक सिद्धि समीक्षा कीजिए।

11. वेदान्तसार के अनुसार अज्ञान किसे कहते हैं? अज्ञान का विशद विवेचन कीजिए।

12. भारतीय दर्शन के अनुसार प्रामाण्यवाद पर एक लेख लिखिए।

13. बौद्धदर्शन के अनुसार स्यादवाद का विवेचन कीजिए।
